विश्व हिन्दी दिवस मनाया गया

केरल हिन्दी साहित्य अकादमी ने विश्व हिन्दी दिवस धूम-धाम से मनाया। १० जनवरी २०१७ में सबेरे १० बजे से १.३० अकादमी हॉल में विश्व हिन्दी दिवस संपन्न हुआ। सम्मेलन की शुरुआत आर.एल.टी.ऐ (रीजनल लॉंग्वेज ट्रेइनिंग इन्स्टीट्यूट) की छात्राओं के प्रार्थनागीत से शुरू हुई। अकादमी के मंत्री स्त्रीमती आर.राजपुष्पम ने सबका स्वागत किया। अध्यक्ष देशरत्न डॉ.एन.चन्द्रशेखरन नायर जी ने दीप जलाकर उद्घाटन किया। उन्होंने हिन्दीभाषा को अकेले राष्ट्रभाषा निश्चित करने की सलाह दी। एक स्वतंत्र, प्रौढ देश की अपनी एक राष्ट्रभाषा तो अवश्य होनी चाहिए। महात्मा गाँधी ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में चुन लिया था। देश के भाषा पंडितों का भी अभिमन उन्होंने स्वीकार किया था। इन सारी बातों से ऊपर एक बडी बात यह है कि यह हमारी ही श्रेष्ठ और महत्ती भाषा संस्कृत की पोती है। फिर आर.एल.टी.ऐ के छात्र रिजेषराज ने विश्व हिन्दी के बारे में आलेखन प्रस्तुत किया। फिर छात्राओं ने देशभक्तिगान (हिन्दी) गाकर सदस्यों की प्रशंसा पायी।

हिन्दी और मलयालम की प्रसिद्ध लेखिका और कवयित्री श्रीमती निर्मला राजगोपाल ने आशंसाभाषण में हिन्दी की महत्ता के बारे में सविस्तार भाषण देकर आशंसाऐं अप्रित कीं। डॉ.श्रीदेवी (ओलसेइन्स कॉलेज) ने भी आशंसाभाषण दिया। (आर.एल.टी.ऐ.) के पूर्व इन्स्ट्रक्टर श्रीमती गीताकुमारी, लीना, आनंदवल्ली आदियों ने आशंसाऐं प्रदान कीं। श्रीमती राजपुष्पम ने विश्व हिन्दी नामक कविता का पारायण किया जिसे आनंदवल्ली जी ने लिखा था।

इसी बीच श्रीमती आनन्दवल्ली का 'हृदयराग' नामक मलयालम कविता का प्रकाशन कार्य हुआ। अध्यक्ष देशरत्न चन्द्रशेखरन नायर जी ने एक प्रति निर्मला जी को देकर किया था। पुस्तक के बारे में अपना मत प्रकट किया पूर्व एच.एम.श्रीमती रुगमिणी रामकृष्णन ने आशंसाऐं देती हुई हृदयराग की एक कविता सुरीली आवाज़ में गायी भी थी। कविता सुनने के बाद नायर जी ने (जी ९३ वर्ष के हैं) प्रेरणा पकर दूसरी कविता भी गयी। सदस्य हर्षोल्लास में भरे हुए थे। छात्रों ने भी कई गीत गाये। श्रीमती आनंदवल्ली जी ने कृतज्ञता ज्ञापन किया। चाय सत्कार की व्यवस्था भी थी। इसप्रकार राष्ट्रगीत के साथ समारोह का सुन्दर समापन हो गया।

"जय हिन्द जय हिन्दी"

आर.राजपुष्पम

मंत्री, केरल हिन्दी साहित्य अकादमी